

बोधराज सीकरी की मुहिम ने किया 2,51,000 का आंकड़ा पार

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

हनुमानजी के भजनों पर झूमे लोग



हनुमानजी के भजनों पर झूमते श्रद्धालु • सौजन्य : आयोजक

वि. गुरुग्राम: दुनिया चले न श्रीराम के बिना, रामजी चले न हनुमान के बिना... भजन पर श्रद्धालु झूम उठे। मौका था सेक्टर-46 स्थित शिव मंदिर में शनिवार शाम हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन का। व्यासपीठ से गजेंद्र गोसाईं ने लोगों को हनुमान चालीसा पाठ कराया। बीच-बीच में भजन प्रस्तुत कर उन्होंने श्रद्धालुओं को झूमने को मजबूर कर दिया।

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि हनुमान

चालीसा पाठ की मुहिम ने शनिवार शाम 251000 का आंकड़ा पार कर लिया। उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा को जीवन में धारण करने की आवश्यकता है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद यादव ने भूमिका निभाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत संघचालक प्रताप सिंह, गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन के संरक्षक दिनेश नागपाल, अध्यक्ष नरेंद्र यादव, पंजाबी बिरादरी महासंगठन के धर्मेंद्र बजाज व रमेश कामरा आदि रहे।



छोटीबड़ीबात

अबन ही के लिए 1853 में राष्ट्रीय
संरक्षण कायदा से हमें इस के लिए
संरक्षण का अर्थ ही है।



अपना कोड
कोड को
अपने दैनिक
संरक्षण का

दैनिक भास्कर

देश का विप्लवशील अखबार

वेब: www.bhaskar.com | ईमेल: feedback@bhaskar.com | फोन: 011-26104000



झाड़ी, गोंड, मकराना और देहरादून से प्रकाशित

अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। शनिवार को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेन्द्र गोसाईं जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन



किया। तदोपरांत नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वे मार्गदर्शन दें। श्री सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अर्चभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से नई व्याख्या की।

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुशासन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज

गुड़गांव, 30 जुलाई (ब्यूरो): शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर की ओर से बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। पूजा यादव व प्रियांक की माता और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा रहा। इस कार्यक्रम में प्रताप जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक हैं उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति गजेंद्र गोसाईं ने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग



संबोधित करते बोधराज सीकरी।

सवा घंटे में उसका समापन किया। अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरांत नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का स्वागत करते हुए उनके गुणों का व्याख्यान भी किया।

इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छोड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए।

धार्मिक ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : सीकरी

गुरुग्राम, (पंजाब केसरी) : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा करीब 5 माह पूर्व शुरू की गई हनुमान चालीसा मुहिम के तहत शनिवार को सैक्टर 46 स्थित श्री शिव मंदिर में बिल्डर प्रमोद यादव द्वारा अपने पुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमोद यादव की धर्मपत्नी पूजा यादव व भाई जयंत का प्रमुख सहयोग रहा। आयोजन में आरएसएस के हरियाणा प्रांत सह महासंघचालक प्रताप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय शैली में हनुमान चालीसा का वर्णन किया, जिस पर श्रद्धालु झूमने लगे। गुरुग्राम होम डवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बोधराज सीकरी का न केवल स्वागत किया, बल्कि उनके द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना भी की। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा व श्रीरामचरितमानस का व्याख्यान कर सभी को अर्चंभित कर दिया। उन्होंने लव-कुश, वाल्मीकि, राम दरबार आदि की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज



कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहां जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे।

गुड़गांव टुडे

अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था।

इस कार्यक्रम में संघ के हरियाणा प्रान्त के सह-महा संघचालक प्रताप भी उपस्थित रहे। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया, बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में युवा पीढ़ी को कहा कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे



पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए। समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्त आ रहा है। इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का

पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था, जो पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने

उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए। कार्यक्रम में प्रताप, नरेंद्र यादव, दिनेश नागपाल, पंजाबी विरादरी महा संगठन के धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा,

केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, पीके दत्ता, राजकुमार समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

नये भारत का आखबार

गुड़गांव मेल

हरियाणा के सभी जिलों, चांडीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

अपने ग्रथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

बुधरो/गुड़गांव मेल
गुड़गांव, 30 सुनहरे। शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुड़गांव में श्री प्रमोद चन्दर बिल्वर ने अपने सुप्रसिद्ध ग्रंथों के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी को टीप के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भाग्य आयोजन किया। श्रीमती पूजा चन्दर ग्रंथों को माता जी और भ्रातृ जन्म ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रयोग श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से ये उनके मेहनतों से साक्षात्कार प्राप्त हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रदान जी जो संध के हरियाणा प्रान्त के सह महा संप्रदायक हैं उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह को भक्ति श्री गवैंद योगेश्वर जिनको जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलारण्य और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगाया गया पढ़ें में उसका समापन किया और अंतिम पीढ़ी में लोगों को नृप करने के लिए प्रेरणा कर दिया। उदाहरण श्री नैद चन्दर प्रेसिडेंट गुड़गांव होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके सुधी का स्वागत भी किया और उनसे आग्रह किया कि वे मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बात का जो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही सम्बोधन पर ध्यान देना चाहिए ऐसा प्रयोग उदाहरण से लोग

अपीन भी हुए और उनका मन मर्याद हो गया। उन्होंने एक तपु कथा के माध्यम से बताया कि जब सब कुछ का जन्म हुआ तबपरीत कालीक जी ने जिन्हें हम विकलांगता कहते हैं अयोग्य में राम दरबार में अकार के राम कथा की शिखरना की और इस सारंग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के जले चुपचाप बिना किसी को बताए उस पीढ़ी में अकार उस सारंग का रसास्वदन किया, ये ही मर्षात।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का श्रीगुरुदेव योगेश्वर कृष्ण ने महाभारत में कुशुक्षेप को पावन भाग पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुन, एक ओर संजय ने सुन और संजय के माध्यम से भुवराष्ट्र ने सुन वहीं जो रथ के पीछे थे उन्होंने भी श्रीगुरुदेव मुन लीकन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक शब्द की कथा के अनुसार उन्हें आप दिया कि जब कभी भी सारंगों को बात हो, श्रीगुरुदेव हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और बाका को ऊपर लेकन हनुमान जी आपने मर्षात भंग को है। इसके लिए आपको पिशाच योगी का आप दिख जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूजा। श्रीगुरुदेव कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाग्य निरखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाग्य निरख, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई।



कहने का अधिग्रहण ये है कि हमारे श्रद्धे मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्षात निरख को हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो। कहने है सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक पीढ़ी आती है। सुमति कुमति सब के उर रहती। नाथ पुरान नियम अस कहतीं। जहां सुमति वहीं संजीव नान। जहां

कुमति वहीं विपत्ति निदान। यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्षात की छोड़कर ऊंचा बैठकर सारंगों को सुन, जिसके कारण उन्हें भी श्रद्धित होना पड़ा। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी को बहुत भीड़ थी तो उन्हें

सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्षात, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे रंभ हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें यहाँ भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अमानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह ऑनलाइन 244545 था जो कल के पाठ पिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक सुमि में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अधिकांश श्री दिनेश नारायण, जाने माने विद्वान श्री नैद चन्दर, अप्सर गुरुदास होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी विद्वान महा संगठन के श्री धर्मद बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मस्कड़, श्री ओपी गाथा, श्री पुष्पराम चन्दर, श्री मर्षद चन्दर, श्री राजकुमार चन्दर, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा जय, रचना बजाज, फर्मानसुंदरिका उद्योग जाल की ओर से जाने माने शर्धियन श्री पी के दत्ता जी, आरडब्ल्यू सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी को विशेष उपस्थिति थी। इसके अधिकांश श्री सत्यपाल नाथ, प्रवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के जले चुपचाप बिना किसी को बताए उस पीढ़ी में अकार उस सारंग का रसास्वदन किया। ये ही मर्षात। इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुन, एक ओर संजय ने सुन और संजय के माध्यम से भुवराष्ट्र ने सुन वहीं जो रथ के पीछे थे उन्होंने भी श्रीगुरुदेव मुन लीकन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक शब्द की कथा के अनुसार उन्हें आप दिया कि जब कभी भी सारंगों को बात हो, श्रीगुरुदेव हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्त को ऊपर लेकन हनुमान जी आपने मर्षात भंग को है। इसके लिए आपको पिशाच योगी का आप दिख जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूजा। श्रीगुरुदेव कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाग्य निरखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाग्य निरख, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। इसके कारण मुक्ति हुई। कहने का अधिग्रहण ये है कि हमारे श्रद्धे मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्षात निरख को हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो। कहने है सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक पीढ़ी आती है। सुमति कुमति सबके उर रहिये। नाथ पुराण नियम अति कहतीं। शिवरति नाथ निदान यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्षात की छोड़कर ऊंचा बैठकर सारंगों को सुन, जिसके कारण उन्हें भी श्रद्धित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी को बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्षात, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे रंभ हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें यहाँ भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अमानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अधिकांश श्री दिनेश नारायण, जाने माने विद्वान श्री नैद चन्दर, अप्सर गुरुदास हाउसिंग डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी विद्वानों के श्री धर्मद बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मस्कड़, श्री ओपी गाथा, श्री पुष्पराम चन्दर, श्री मर्षद चन्दर, श्री राजकुमार चन्दर, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फर्मानसुंदरिका उद्योग जाल की ओर से जाने माने शर्धियन श्री पी के दत्ता जी, आरडब्ल्यू सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी को विशेष उपस्थिति थी। इसके अधिकांश श्री सत्यपाल नाथ, प्रवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्षात की छोड़कर ऊंचा बैठकर सारंगों को सुन, जिसके कारण उन्हें भी श्रद्धित होना पड़ा।

ज्योति दर्पण

मंगलवार कार्यक्रम का आठवां दिन बंगाल का प्रायण का २९वां

अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी



ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक हैं उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहाँ तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भाँति श्री गजेन्द्र गोसाईं जिनकी जिज्ञा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरान्त श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वे मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ा जिससे लोग अर्चोभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरान्त वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार में आकर के राम कथा की श्रवणना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहाँ एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से भूतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो

कहते हैं सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक चौपाई आती है सुमति कुमति सब के उर रहलैं। नाथ पुरान निगम अस कहलैं। जहाँ सुमति तहाँ संपति नाना। जहाँ कुमति तहाँ विपति निदाना।

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहाँ पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएँ, अपनी परंपराएँ, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी विरादरी महा संगठन के श्री धर्मेन्द्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गावा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्यूटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शिल्पियत श्री पी.के.दत्ता जी, आरइएलएच सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/व्यूरो
गुरुग्राम। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्वर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण ऋद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खूबसाख भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संप के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघपालक हैं उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन को भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गुरुदेव गीताई जिनकी जित्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर साधना सत्र चढ़े में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को गुण करने के लिए विचार कर दिया। लदीपारत श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का न केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और इनसे अप्रार्थ किया कि वे मार्गदर्शन दें।
 बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार न तो हनुमान चालीसा पाठ पर और न ही

रामचरितमानस पर बलिष्ठ प्रसंग उठा जिससे लोग अचोभित भी हुए और उनका मन सदमद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तबदेवताओं की भी नजरों में किन्हीं हम विकलावर्ती कहते हैं अयोध्या में राम दरबार में आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सलसंग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक सलसंग के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सलसंग का रसावदान किया, ये ही मर्यादा।
 इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगेश्वर कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र को पारन धरा पर दिख उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी श्रवण के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें आप दिया कि जब कभी भी सलसंग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी अपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपकी विशास योनि का आप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूजा। योगेश्वर कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके



परिणामस्वरूप हनुमान जी ने विशास भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अर्थव्यपत्त ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबके हर चीज को मर्यादा निमित्त को हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो।
 कहते हैं सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक चौपाई अती है

सुमति कुपाति सब के उर रहती।
 नाम पुरान निगम अस कहतीं॥
 जहाँ सुमति तहाँ संपति नाना।
 जहाँ कुपाति तहाँ विपति निदाना॥
 यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुपाति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सलसंग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पारती बार ही युवा पीढ़ी को बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे संघ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अत्यायक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा

पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।
 इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह संकलन 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।
 इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्तर सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जने माने बिल्वर श्री नरेंद्र यादव, अग्रमश गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महा संगठन के श्री धर्मदेव बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मरकट्ट, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्कराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नामा, रचना बजाज, फार्मोस्यूटिकल उद्योग जगत की ओर से जने माने शर्मासिपा श्री पी.के देता जी, आरडब्ल्यू सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नामा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
 श्री सिद्धांत के तौर पर राजा को अपने गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक सलसंग के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सलसंग का रसावदान किया। ये ही मर्यादा।
 इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का

गीतोपदेश योगेश्वर कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र को पारन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के श्रवण के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें आप दिया कि जब कभी भी सलसंग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी अपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको विशास योनि का आप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूजा। योगेश्वर कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने विशास भाष्य लिखा, जिसके कारण मुक्ति हुई। कहने का अर्थव्यपत्त ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबके हर चीज को मर्यादा निमित्त को हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो।
 कहते हैं सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर चौपाई अती है
 सुमति कुपाति सबके उर रहियर
 नाम पुरान निगम अति कहनी।
 किबपति नात
 निदाना
 यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुपाति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सलसंग को

सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।
 बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पारती बार ही युवा पीढ़ी को बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीतिरिवाज, हमारे संघ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अत्यायक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।
 इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्तर सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जने माने बिल्वर श्री नरेंद्र यादव, अग्रमश गुरुग्राम हाउसिंग डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी संगठन के श्री धर्मदेव बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री श्राका नाथ मरकट्ट, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्कराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नामा, रचना बजाज, फार्मोस्यूटिकल उद्योग जगत की ओर से जने माने शर्मासिपा श्री पी.के देता जी, आरडब्ल्यू सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नामा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
 चौध महीने पूर्व शुरू की गई सीकरी जी द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम बट्टे वृक्ष का रूप धारण कर रही है।

ओपन सर्फ

TITLE CODE :- HARHIN11545

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 251000 का आंकड़ा पार

अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुशासन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

ओपन सर्फ/ विशेष संवाददाता
सलबीर भादवाज

गुरुग्राम। कल रविवार दिनांक 29 जुलाई को शिव गीरेर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रदीप चन्दर बिलहार ने अपने पुत्र गिरांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीप के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का प्रथम आयोजन किया। इसीसे पूजा पाठन गिरांक को मठा की ओर भर्तु जगत ने इस आयोजन को सुदूर चबाने में सहायक की। गीरेर का प्रथम अक्षांश में, सफाई में और धर्मों में व उनके पोषणों से छायापत्र परत हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रदीप चंद से शेष के श्रवणका प्रथम के यह मठा संपादनक है उनको उपस्थित करियावले थे। उन्होंने हनुमान जी का उद्धारण देकर जंग में कार्यक्रम के संपादन की सुविधा विधायी। जहां तक शिव गीरेर के इस आयोजन का प्रथम है हर संपादन पर प्रति श्री गौरी गेहदार जिनको प्रिय को मठा सरावली की विशेष अनुकम्प है उन्होंने संस्थापन और संकीर्ण में हनुमान चालीसा का पाठ का लक्षण सार पर से उपका संपादन किया और अंतिम चौराई में गौरी की रूप करने के लिए निराव कर दिया। उद्योगों की नैत चन्दर प्रदीप गुरुग्राम होम डेवलपमें एंटीगिराल ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुरुों का प्रशासन भी किया और उनको आदर किया कि वे मार्गदर्शक हैं।

श्री बोधराज सीकरी ने अपने कर्मण्य में इस पाठ का जो हनुमान चालीसा पाठ का और व ही संपादनकमन पर बलिष्ठ देस प्रसंग उठाया विस्से लोच अर्चना भी हुए और उनका मन गहिर हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से कथाव कि सब लक्ष कुल का जन्म हुआ गदोपगत चालीसा जो ने प्रिन्टिंग हाथ बिकालदारी करते हैं अंधेपथ में राव दलबय में अन्तर के हम कथा की विशेषता को और इस सारंग में श्री राम जी चरित्र एज्योरियस में और गिरांक के और पर एका को अपने गुरुदी पर बैठने का अन्वित है। पंशु उन्होंने एक सारक के गाने पुष्पाव विना कियो को सारण उस पौष में अन्तर उस सारंग का संपादन किया, ये ही चौराई।

इस प्रकार बोधराज सीकरी ने उद्धारण दिया कि जब गीत का गीतोपदेश योगीराज कुल ने

महाभारत में कुशध्वज की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने युध, एक ओर संजय ने युध और संजय के माध्यम से भूतलद ने युवा गौरी जो रथ के चौराई से उन्होंने श्री गीतोपदेश युवा गीतक हनुमान जी के अन्तर के ऊपर विराजमान थे। भगवान कुल ने एक श्रव्य की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी संधीय की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय भोग को नीचे होना चाहिए और बका को ऊपर लेकन हनुमान जी अपने चौराई धर्म की है। इसके लिए अन्वको विराज गीत का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का सपन स्वीकार किया और उसके कल्पन के लिए भी निराव पड़ा। योगीराज कुल ने कहा कि इसके लिए आगको एक भाष्य लिखाव होना, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने विराज भाष्य लिखा, जिसके बालर उनको मुक्ति हुई। चौराई का अर्थव्यय ने है कि हमारे श्रमि गुरु, हमारे सधु गुरु, हमारे योगीपुत्र इन सबने हर चौराई को संधीय निराव की हुई है। और राम की प्री, कुल जी को, हनुमान जी को।

चौराई है गुरुकांड के अंतर बड़ी सुंदर एक चौराई आती है। सुदति कुपति सब के उर रहती। यह युवा शिवय अंत कहरों। जहाँ सुदति गौरी गौरी नाम। जहाँ कुपति गौरी विरति निराव। चरों कि कुल सपन के लिए हनुमान जी के मन में श्री कुपति आई जिसके कारण उन्होंने चौराई को श्रेष्ठकर उन्हा चौराई सारंग को सुन, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने कर्मण्य में विशेषकर जहां पर चौराई का हो युवा गौरी को बहुत भीत की तो उन्हें सम्बोधित करने हुए बलाव कि हमें अपने चौराई, अपने परंपरा, हमारे गीत-रिवाज, हमारे श्रम, हमारे पुला, हमारे गेद उन्हें गौरी भूतव चाहिए और सभ्य के अंतर जो अन्वक अन्व परिचलन आ रहा है इस प्रकार के अन्वकन में युवा गौरी अधिक भाग ले रही है। इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-पूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 या हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल पाठ को संतव 6,300 हुई। 98 परंपरावा ज्ञा यह अधिकतम 244545 रु जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पाठ बनाया गया। जब तक सुदिय में

15625 माफकी ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री प्रदीप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश गणपत, जने माने बिलहार श्री नैत चन्दर, अण्णल गुरुग्राम होम डेवलपमें एंटीगिराल और पंजाबी बिलहारी मठा संतदल के श्री धर्मेश बजाज, श्री एनेश कलम, श्री शोभी कालरा, श्री केदारनाथ मन्सूर, श्री ओपी गण, श्री पुष्पराज पादय, श्री महेंद्र चदय, श्री राजकुमार चदय, तथा महिला गानों की ओर से श्रेयवती नन्देराचन बजाज, श्रेयवती पुष्पा गाय, चबन बजाज, शार्वरुदिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शरिणाल श्री पी. के. दत्त जी, आरटनन्पूर सेक्टर 46 के प्रथम राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सहायता नाम, पवन जखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

और गिरांक के लौर पर राजा को अपने गददी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक सधक के गते पुष्पाव विना कियो को बनाए उस पीढ़ में अन्तर उस सारंग का समाधान किया। ये ही चौराई।

युवा प्रकाश बोधराज सीकरी ने उद्धारण दिया कि जब गीत का गीतोपदेश योगीराज कुल ने महाभारत में कुशध्वज की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने युध, एक ओर संजय ने युध और संजय के माध्यम से भूतलद ने युवा गौरी जो रथ के चौराई से उन्होंने श्री गीतोपदेश युवा गीतक हनुमान जी के अन्तर के ऊपर विराजमान थे। भगवान कुल ने एक श्रव्य की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी संधीय की बात हो, गीतोपदेश हो तो जगत को नीचे होना चाहिए और बका को ऊपर लेकन हनुमान जी अपने चौराई धर्म की है। इसके लिए अन्वको विराज गीत का श्राप दिया जाता है।



चौराई है गुरुकांड के अंतर बड़ी सुंदर चौराई आती है।

सुदति कुपति सब के उर रहती।

यह युवा शिवय अंत कहरों।

जहाँ सुदति गौरी गौरी नाम।

जहाँ कुपति गौरी विरति निराव।

चरों कि कुल सपन के लिए हनुमान जी के मन में श्री कुपति आई जिसके कारण उन्होंने चौराई को श्रेष्ठकर उन्हा चौराई सारंग को सुन, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने कर्मण्य में विशेषकर जहां पर चौराई का हो युवा गौरी को बहुत भीत की तो उन्हें सम्बोधित करने हुए बलाव कि हमें अपने चौराई, अपने परंपरा, हमारे गीत-रिवाज, हमारे श्रम, हमारे पुला, हमारे गेद उन्हें गौरी भूतव चाहिए और सभ्य के

अंतर जो अन्वक अन्व परिचलन आ रहा है इस प्रकार के अन्वकन में युवा गौरी अधिक भाग ले रही हैं। इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-पूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम के अंतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री प्रदीप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश गणपत, जने माने बिलहार श्री नैत चन्दर, अण्णल गुरुग्राम होम डेवलपमें

एंटीगिराल और पंजाबी बिलहारी मठा संतदल के श्री धर्मेश बजाज, श्री ओपी गण, श्री पुष्पराज पादय, श्री महेंद्र चदय, श्री राजकुमार चदय, तथा महिला गानों की ओर से श्रेयवती नन्देराचन बजाज, श्रेयवती पुष्पा गाय, चबन बजाज, शार्वरुदिकल उद्योग जगत की

ओर से जाने माने शरिणाल श्री पी. के. दत्त जी, आरटनन्पूर सेक्टर 46 के प्रथम राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सहायता नाम, पवन जखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

और गिरांक के लौर पर राजा को अपने गददी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक सधक के गते पुष्पाव विना कियो को बनाए उस पीढ़ में अन्तर उस सारंग का समाधान किया। ये ही चौराई।

युवा प्रकाश बोधराज सीकरी ने उद्धारण दिया कि जब गीत का गीतोपदेश योगीराज कुल ने महाभारत में कुशध्वज की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने युध, एक ओर संजय ने युध और संजय के माध्यम से भूतलद ने युवा गौरी जो रथ के चौराई से उन्होंने श्री गीतोपदेश युवा गीतक हनुमान जी के अन्तर के ऊपर विराजमान थे। भगवान कुल ने एक श्रव्य की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी संधीय की बात हो, गीतोपदेश हो तो जगत को नीचे होना चाहिए और बका को ऊपर लेकन हनुमान जी अपने चौराई धर्म की है। इसके लिए अन्वको विराज गीत का श्राप दिया जाता है।

इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 या हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल पाठ को संतव 6,300 हुई। 98 परंपरावा ज्ञा यह अधिकतम 244545 रु जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पाठ बनाया गया। जब तक सुदिय में

महाभारत में कुशध्वज की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने युध, एक ओर संजय ने युध और संजय के माध्यम से भूतलद ने युवा गौरी जो रथ के चौराई से उन्होंने श्री गीतोपदेश युवा गीतक हनुमान जी के अन्तर के ऊपर विराजमान थे। भगवान कुल ने एक श्रव्य की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी संधीय की बात हो, गीतोपदेश हो तो जगत को नीचे होना चाहिए और बका को ऊपर लेकन हनुमान जी अपने चौराई धर्म की है। इसके लिए अन्वको विराज गीत का श्राप दिया जाता है।

हनुमान जी ने प्रभु का सपन स्वीकार किया और उसके कल्पन के लिए भी निराव पड़ा। योगीराज कुल ने कहा कि इसके लिए आगको एक भाष्य लिखाव होना, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने विराज भाष्य लिखा, जिसके बालर उनको मुक्ति हुई। चौराई का अर्थव्यय ने है कि हमारे श्रमि गुरु, हमारे सधु गुरु, हमारे योगीपुत्र इन सबने हर चौराई को संधीय निराव की हुई है। और राम जी को, कुल जी को, हनुमान जी को।

चौराई है गुरुकांड के अंतर बड़ी सुंदर एक चौराई आती है। सुदति कुपति सब के उर रहती। यह युवा शिवय अंत कहरों। जहाँ सुदति गौरी गौरी नाम। जहाँ कुपति गौरी विरति निराव। चरों कि कुल सपन के लिए हनुमान जी के मन में श्री कुपति आई जिसके कारण उन्होंने चौराई को श्रेष्ठकर उन्हा चौराई सारंग को सुन, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने कर्मण्य में विशेषकर जहां पर चौराई का हो युवा गौरी को बहुत भीत की तो उन्हें सम्बोधित करने हुए बलाव कि हमें अपने चौराई, अपने परंपरा, हमारे गीत-रिवाज, हमारे श्रम, हमारे पुला, हमारे गेद उन्हें गौरी भूतव चाहिए और सभ्य के

अंतर जो अन्वक अन्व परिचलन आ रहा है इस प्रकार के अन्वकन में युवा गौरी अधिक भाग ले रही हैं। इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-पूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम के अंतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री प्रदीप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश गणपत, जने माने बिलहार श्री नैत चन्दर, अण्णल गुरुग्राम होम डेवलपमें

एंटीगिराल और पंजाबी बिलहारी मठा संतदल के श्री धर्मेश बजाज, श्री ओपी गण, श्री पुष्पराज पादय, श्री महेंद्र चदय, श्री राजकुमार चदय, तथा महिला गानों की ओर से श्रेयवती नन्देराचन बजाज, श्रेयवती पुष्पा गाय, चबन बजाज, शार्वरुदिकल उद्योग जगत की

ओर से जाने माने शरिणाल श्री पी. के. दत्त जी, आरटनन्पूर सेक्टर 46 के प्रथम राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सहायता नाम, पवन जखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

और गिरांक के लौर पर राजा को अपने गददी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक सधक के गते पुष्पाव विना कियो को बनाए उस पीढ़ में अन्तर उस सारंग का समाधान किया। ये ही चौराई।

युवा प्रकाश बोधराज सीकरी ने उद्धारण दिया कि जब गीत का गीतोपदेश योगीराज कुल ने महाभारत में कुशध्वज की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने युध, एक ओर संजय ने युध और संजय के माध्यम से भूतलद ने युवा गौरी जो रथ के चौराई से उन्होंने श्री गीतोपदेश युवा गीतक हनुमान जी के अन्तर के ऊपर विराजमान थे। भगवान कुल ने एक श्रव्य की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी संधीय की बात हो, गीतोपदेश हो तो जगत को नीचे होना चाहिए और बका को ऊपर लेकन हनुमान जी अपने चौराई धर्म की है। इसके लिए अन्वको विराज गीत का श्राप दिया जाता है।

एनसीआर टाइम्स

हिन्दी दैनिक पेपर

सोमवार

गुरुग्राम

दिनांक : 31/7/23

अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 251000 का आंकड़ा पार



गुरुग्राम (एनसीआर टाइम्स) गुरुग्राम शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक हैं उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेंद्र गोसाईं जिनकी जिह्वा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरान्त श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे

आग्रह किया कि वे मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छोड़ा जिससे लोग अचंभित भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरान्त वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार में आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी

हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो।

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहां पर पहली बार ही युवा पीढ़ी की बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्डर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन और पंजाबी बिरादरी महा संगठन के श्री धर्मेन्द्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्युटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शखिसयत श्री पी.के. दत्ता जी, आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पाँच महीने पूर्व शुरू की गई सीकरी जी द्वारा हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम बड़े वृक्ष का रूप धारण कर रही है।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायानियर

अपने ग्रंथों, वेदों, परंपराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी: बोधराज सीकरी

पायानियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था।

इस कार्यक्रम में संघ के हरियाणा प्रान्त के सह-महा संघचालक प्रताप भी उपस्थित रहे। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया, बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में युवा पीढ़ी को कहा कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए। समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्त आ रहा है। इस प्रकार के



हनुमान चालीसा पाठ में बोधराज सीकरी को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक।

आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था, जो पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र

ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए। कार्यक्रम में दिनेश नागपाल, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, राजकुमार समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

सच कहें

Sras
Regd
HAR

● ज्येष्ठ शुक्ल १२ - विक्रम संवत् २०८०

अपने ग्रंथों, वेदों व परम्पराओं से जीवन में अनुसासन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम(सच कहें न्यूज)।

शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से च उनके मेहमानों से खूबसाखूब भरा हुआ था।

इस कार्यक्रम में संघ के हरियाणा प्रान्त के सह-महा संघचालक प्रताप भी उपस्थित रहे। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया, बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी



हनुमान चालीसा पाठ में बोधराज सीकरी को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक।

किया। बोधराज सीकरी ने अपने बक्तव्य में युवा पीढ़ी को कहा कि हमें अपनी मर्यादाएँ, अपनी परंपराएँ, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए। समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्त आ रहा है। इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा

244545 था, जो पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में दिनेश नागपाल, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, पीके दत्ता, राजकुमार समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिस्सार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

8:18 AM

वर्ष : 15 अंक : 47

भिवानी सोमवार 31 जुलाई 2023

मूल्य : 3.00 रुपये

कुल पृष्ठ : 8

अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में प्रमोद यादव बिल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में संघ के हरियाणा प्रान्त के सह-महा संघचालक प्रताप भी उपस्थित रहे। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया, बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया। बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में युवा पीढ़ी को कहा कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए। समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्त आ रहा है। इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले



रही है। इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था, जो पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक और संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी

गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए। कार्यक्रम में दिनेश नागपाल, पंजाबी बिरादरी महा संगठन के धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराज यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, पीके दत्ता, राजकुमार समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

8:18 AM

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 251000 का आंकड़ा पार

देव केसरी/अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव विल्डर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, साधकों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संवचालक हैं उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने



हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहां तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की

भक्ति श्री गजेंद्र गोसाईं जिनकी जिह्व पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और स्कीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरंतु श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वे मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग छेड़ जिससे लोग अर्चिभूत भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा

के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरंतु वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरवार में आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यद्यपि राजधिराज थे और सिद्धंत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भोड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा। इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम

से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई।

रण टाइम्स

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम ने किया 251000 का आंकड़ा पार

❖ अपने ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी: बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। कल शनिवार दिनांक 29 जुलाई को शिव मंदिर, सेक्टर 46 गुरुग्राम में श्री प्रमोद यादव बिल्टर ने अपने सुपुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उल्लेख में श्री बोधराज सीकरी की टीम के माध्यम से हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया। श्रीमती पूजा यादव प्रियांक की माता जी और भाई जयंत ने इस आयोजन को सुंदर बनाने में सहभागिता की। मंदिर का प्रांगण श्रद्धालुओं से, स्त्रियों से और भक्तों से व उनके मेहमानों से खचाखच भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में श्री प्रताप जी जो संघ के हरियाणा प्रान्त के सह महा संघचालक है उनकी उपस्थिति गरिमामयी थी। उन्होंने हनुमान जी का उदाहरण देकर अंत में कार्यक्रम के समापन की भूमिका निभाई। जहाँ तक शिव मंदिर के इस आयोजन का प्रश्न है हर सप्ताह की भांति श्री गजेंद्र गोसाईं जिनकी जिज्ञा पर मां सरस्वती की विशेष अनुकम्पा है उन्होंने मंगलाचरण और संकीर्तन से हनुमान चालीसा का पाठ कर लगभग सवा घंटे में उसका समापन किया और अंतिम चौपाई में लोगों को नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। तदोपरंतु श्री नरेंद्र यादव प्रेसिडेंट गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने श्री बोधराज सीकरी का ना केवल स्वागत किया बल्कि उनके गुणों का व्याख्यान भी किया और उनसे आग्रह किया कि वे मार्गदर्शन दें।

श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में इस बार ना तो हनुमान चालीसा पाठ पर और ना ही रामचरितमानस पर बल्कि ऐसा प्रसंग



छेड़ा जिससे लोग अर्चीभत भी हुए और उनका मन गदगद हो गया। उन्होंने एक लघु कथा के माध्यम से बताया कि जब लव कुश का जन्म हुआ तदोपरंतु वाल्मीकि जी ने जिन्हें हम त्रिकालदर्शी कहते हैं अयोध्या में राम दरबार में आकर के राम कथा की विवेचना की और इस सत्संग में श्री राम जी यथापि राजाधिराज थे और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया, ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहाँ एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो

रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच यौनि का श्राप दिया जात है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पुछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाव्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाव्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी

हो।

कहते है सुंदरकांड के अंदर बड़ी सुंदर एक चौपाई आती है सुमति कुमति सब के उर रहलीं। नाथ पुरान निगम अस कहलीं।

जहाँ सुमति तहाँ संपति नाना। जहाँ कुमति तहाँ विपति निदाना।

यानी कि कुछ समय के लिए हनुमान जी के मन में भी कुमति आई जिसके कारण उन्होंने मर्यादा को छोड़कर ऊंचा बैठकर सत्संग को सुना, जिसके कारण उन्हें भी श्रापित होना पड़ा।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में विशेषकर वहाँ पर पहली बार ही युवा पीढ़ी को बहुत भीड़ थी तो उन्हें सम्बोधित करते हुए बताया कि हमें अपनी मर्यादाएं, अपनी परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, हमारे ग्रंथ, हमारे पुराण, हमारे वेद उन्हें नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 244545 था जो कल के पाठ मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम के अंदर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्री प्रताप, इसके अतिरिक्त श्री दिनेश नागपाल, जाने माने बिल्टर श्री नरेंद्र यादव, अध्यक्ष गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन

और पंजाबी विरादरी महा संगठन के श्री धर्मेन्द्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री केदारनाथ मक्कड़, श्री ओपी गाबा, श्री पुष्पराज यादव, श्री महेंद्र यादव, श्री राजकुमार यादव, तथा महिला वर्ग की ओर से श्रीमती ज्योत्सना बजाज, श्रीमती पुष्पा नासा, रचना बजाज, फार्मास्यूटिकल उद्योग जगत की ओर से जाने माने शरिखसयत श्री पी.के दत्ता जी, आर.एच.ए. सेक्टर 46 के प्रधान राजकुमार जी की विशेष उपस्थिति थी। इसके अतिरिक्त श्री सतपाल नासा, पवन जाखड़ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

और सिद्धांत के तौर पर राजा को अपनी गद्दी पर बैठने का अधिकार है। परंतु उन्होंने एक साधक के नाते चुपचाप बिना किसी को बताए उस भीड़ में आकर उस सत्संग का रसास्वादन किया। ये है मर्यादा।

इसी प्रकार बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहाँ एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी के ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच यौनि का श्राप दिया जाता है।

3 **हरियाणा**
भारतीय संसद संसद को एकजुट
में दिखाने - राजनगर खेडि

6 **विद्यार् क्रान्ति**
स्वतंत्रता संग्राम के युवा
कवचवर्क संस्कार उजम सिंह

8 **हरियाणा**
भारतवर्षी परिवर्षी संस्कार के
तस्वी को लोडे - बनवर्षी लाल

10 **पीयूष**
भारतवर्षी संस्कार के उजम लदी के
कल से लयी बनेली है संस्कारवर्क

12 **हरियाणा**
संस्कृत संस्कारवर्क के उजम लदी के
हरियाणा-संस्कारवर्क



Page 11

राष्ट्रीय दैनिक

जगत क्रान्ति

संस्कारवर्क संस्कार वसंतवर्षी लदी, ली वसंतवर्षी लदी वसंतवर्षी लदी
संस्कार वसंतवर्षी लदी वसंतवर्षी लदी, ली वसंतवर्षी लदी वसंतवर्षी लदी



वर्ष : 44 अंक : 210

जोध

संस्कार, 21 अंक, 2022

एक 12 | मूल 12

हरियाणा का सर्वप्रथम लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail : jagatkrantiind@gmail.com

जोध (हरियाणा) से प्रकाशित

धार्मिक ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुशासन सीखे युवा पीढ़ी : सीकरी

जगत क्रान्ति ►► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा करीब 5 माह पूर्व शुरू की गई हनुमान चालीसा मुहिम के तहत शनिवार को सैक्टर 46 स्थित श्री शिव मंदिर में बिल्डर प्रमोद यादव द्वारा अपने पुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

इस दौरान प्रमोद यादव की धर्मपत्नी पूजा यादव व भाई जयंत का प्रमुख सहयोग रहा। आयोजन में आरएसएस के हरियाणा प्रांत सह महासंघचालक प्रताप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय शैली में हनुमान चालीसा का वर्णन किया, जिस पर श्रद्धालु झूमने लगे। गुरुग्राम होम डवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बोधराज सीकरी का न केवल स्वागत किया, बल्कि उनके द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना भी की।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा व श्रीरामचरितमानस का व्याख्यान कर सभी को अर्चभित कर दिया। उन्होंने लव-कुश, वाल्मीकि, राम दरबार आदि की विस्तृत



जानकारी उपस्थित लोगों को दी। बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहां जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना

लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 2 लाख 44 हजार 545 था जो शनिवार के पाठ को मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया।

बुलंद खोज

समाहक-संजय साधक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

धार्मिक ग्रंथों, वेदों, परम्पराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी-बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी द्वारा करीब 5 माह पूर्व शुरु की गई हनुमान चालीसा मुहिम के तहत शनिवार को सैक्टर 46 स्थित श्री शिव मंदिर में बिल्डर प्रमोद यादव द्वारा अपने पुत्र प्रियांक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमोद यादव की धर्मपत्नी पूजा यादव व भाई जयंत का प्रमुख सहयोग रहा। आयोजन में आरएसएस के हरियाणा प्रांत सह महासंघचालक प्रताप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गजेन्द्र गोसाईं ने संगीतमय शैली में हनुमान चालीसा का वर्णन किया, जिस पर श्रद्धालु झूमने लगे। गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बोधराज सीकरी का न केवल स्वागत किया, बल्कि उनके द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना भी की। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा व श्रीरामचरितमानस का व्याख्यान कर सभी को अचंभित कर दिया। उन्होंने लव-कुश, वाल्मीकि, राम दरबार आदि की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। बोधराज सीकरी ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर दिया उस समय जहां



कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालु हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए।

एक ओर अर्जुन ने सुना, एक ओर संजय ने सुना और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुना वहीं जो रथ के घोड़े थे उन्होंने भी गीतोपदेश सुना लेकिन हनुमान जी ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें श्राप दिया कि जब कभी भी सत्संग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय

श्रोता को नीचे होना चाहिए और वक्ता को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच योनि का श्राप दिया जाता है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूछा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिणामस्वरूप

हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत, हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निश्चित की हुई है। और राम जी हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि अपनी मर्यादाएं, परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, ग्रंथ, पुराण, वेद आदि को नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। उसके लिए बोधराज सीकरी ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 2 लाख 44 हजार 545 था जो शनिवार के पाठ को मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुहिम में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिनेश नागपाल, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, ओपी गाबा, पुष्पराम यादव, महेंद्र यादव, राजकुमार यादव, ज्योत्सना बजाज, पुष्पा नासा, रचना बजाज, पीके दत्ता, राजकुमार, सतपाल नासा, पवन जाखड़ आदि मौजूद रहे।



का भा सुन आर साक पर हा जयदाता का ह। आज तक सरकार काया क लए लागे का निगम क काउंस क बाउंडे नता पकज आवर माजूद रह। का माहमा का गुणगान कमा

धार्मिक ग्रंथों, वेदों, परंपराओं से जीवन का अनुसाशन सीखे युवा पीढ़ी : बोधराज सीकर्

दैनिक भरोसा / एक अरोहण

वादव ने बोधराज सीकर् का न केवल स्वागत किया, बल्कि उनके द्वारा कराए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना भी की। बोधराज सीकर् ने हनुमान चालीसा व श्रीरामचरितमानस का व्याख्यान कर सभी को अभिभूत कर दिया। उन्होंने सन-कृपा, वाल्मीकि, राम दरबार आदि की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। बोधराज सीकर् ने उदाहरण दिया कि जब गीता का गीतोपदेश योगीराज कृष्ण ने महाभारत में कुरुक्षेत्र की पवन धरा पर दिया उस समय जहाँ एक ओर अर्जुन ने सुन, एक ओर संजय ने सुन और संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र ने सुन जहाँ जो रथ के घोड़े



कार्यक्रम में शामिल बदायुन हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए।

ने उन्होंने भी गीतोपदेश सुन लेकिन हनुमान जो ध्वजा के ऊपर विराजमान थे। भगवान कृष्ण ने एक ग्रन्थ की कथा के अनुसार उन्हें आप दिया कि जब कभी भी संसंग की बात हो, गीतोपदेश हो तो उस समय शीता को नीचे होना चाहिए और बच्चा को ऊपर लेकिन हनुमान जी आपने मर्यादा भंग की है। इसके लिए आपको पिशाच पौनि का आप दिया जात है। हनुमान जी ने प्रभु का वचन स्वीकार किया और उसके कल्याण के लिए भी निवारण पूजा। योगीराज कृष्ण ने कहा कि इसके लिए आपको एक भाष्य लिखना होगा, जिसके परिचायस्वरूप हनुमान जी ने पिशाच भाष्य लिखा, जिसके कारण उनकी मुक्ति हुई। कहने का अभिप्राय ये है कि हमारे ऋषि मुनि, हमारे साधु संत,

हमारे योगीपुरुष इन सबने हर चीज की मर्यादा निर्धारित की हुई है। और रथ की हो, कृष्ण जी हो, हनुमान जी हो। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि अपनी मर्यादाएं, परंपराएं, हमारे रीति-रिवाज, ग्रंथ, पुराण, वेद आदि को नहीं भूलना चाहिए और समाज के अंदर जो अचानक अब परिवर्तन आ रहा है इस प्रकार के अयोजन में युवा पीढ़ी अधिक भाग ले रही है। इसके लिए बोधराज सीकर् ने उनकी पूरी-पूरी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 300 लोगों ने 21-21 बार हनुमान चालीसा का पठन किया। कुल पाठ की संख्या 6300 हुई। गत मंगलवार तक यह आंकड़ा 2 लाख 44 हजार 545 था जो शनिवार के पाठ को मिलाकर 2 लाख 52 हजार के पार चला गया। अब तक मुक्ति में 15625 साधकों ने हिस्सा लिया। इस

अवसर पर दिनेश नागर धर्मद बजाज, रमेश कान ओपी कालरा, केदारनाथ मश ओपी गाबा, पुष्पराम पाटव, म मादव, राजकुमार मादव, ज्योत बजाज, पुष्पा नासा, रचना बज पीके दत्ता, राजकुमार, सत नासा, पवन जाखड़ आदि भी रहे। गौरवलेख है कि पंजाबी बिरा महासंगठन के अध्यक्ष व सीएस ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सी द्वारा अब तक शहर के वि स्थानों पर हनुमान चालीसा पाठ किए जाने से बच्चे, युवा युवाओं में काफी उन्माह है। ल द्वारा न केवल हनुमान चालीसा पाठ को ध्यान से कोला जाता बल्कि सुन भी जाता है। वि कालोनिर्वाह के लोगों ने बताया अब हमें यह इंतजार रहता है अगली बार हमें संगीतमय हनु चालीसा कहाँ पर पढ़ने व को मिलेगी।

